

आईटीएसडेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर गाजियाबाद में पब्लिक हैल्थ डेन्टस्ट्री विभाग के द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसका विषय स्तनपान की सूक्ष्म-एक सहभागिता पूर्ण जिम्मदारी है विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म

के बाद शिशु को कुपोषण और बीमारियों से बचने के लिए व एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्हा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्हा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चों पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध



अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाइ जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से

प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मध्यमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन

के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक निरंतर



स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज वार्ड सूर्य अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी की ओपीडी में कई गतिविधियां देखी में आने वाले महिला गोपीयों को स्तनपान गई। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्य के महत्व के बारे में पैम्पलेट वितरित अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके और वहां उनका चैकअप किया गया। साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सूल्तानपुर गांव, प्रसूति कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मध्यमेह की महिला कार्यक्रमों और सभी महिलाओं को स्तनपान के लिये सभी प्रतिभागीयों ने आईटीएस द महत्व के बारे में जागरूक किया एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्हा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्हा का आभार प्रकट किया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन



मनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेट्रो डिस्ट्रेंस आईटीएस डेन्टल कॉलेज मुरादनगर में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2021 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा-एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटी बॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा आरपी चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8 लाख से अधिक लोगों की जान



बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे हैं। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घण्टे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्य कताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पंपलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का किया गया आयोजन



हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा एक अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा-एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्हा तथा वाईस

जन्म के बाद शिशु को एंटीबॉडीज के लिए स्तनपान जरूरी

चेयरमैन अर्पित चड्हा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान समाह मनाया

जन सागर टुडे संवाददाता
मुरादनगर। आई.टी.एस.
डेन्टल कॉलेज, मुरादनगर
गाजियाबाद में पब्लिक हैल्थ
डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा 1 अगस्त
से 7 अगस्त, 2021 को विश्व
स्तनपान समाह मनाया गया।
जिसका विषय स्तनपान की
सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण
जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को
बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य
संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को
विश्व स्तनपान समाह मनाया जाता
है। जन्म के बाद शिशु को पोषण
और बीमारियों से बचने के लिए
एंटीबॉडीज बनाने के लिए
स्तनपान की जरूरत होती है।

आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप
के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा
तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा
की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का



सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने मां और
बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर
अपने विचार व्यक्त किये और
बताया कि नवजात शिशुओं के
लिये माँ का दूध अमृत के समान
है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु
मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती
है। शिशुओं को जन्म से छह माह
तक केवल माँ का दूध पिलाने के

लिए महिलाओं को इस समाह के
दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित
किया गया।

विश्व स्तनपान एक ऐसा
समाह है जब महिलाओं को माँ
और बच्चों के लिये स्तनपान के
महत्व के बारे में जागरूक किया
जाता है। स्तनपान माताओं और
बच्चों के लिये समान रूप से
बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

स्तनपान को अनताराष्ट्रीय स्तर तक
बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से
अधिक लोगों की जान बचाई जा
सकती है, जिनमें से अधिकांश 6
महीने से कम उम्र के बच्चे हैं।
स्तनपान करने से माताओं को
स्तन कैंसर, ओवरियन के कैंसर,
टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने
का खतरा कम हो जाता है। विश्व
स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म
के एक घंटे के भीतर शिशु को 6
महीने का होने तक अनन्य
स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आई.टी.एस.
डेन्टल कॉलेज की ओ.पी.डी. में
निम्नलिखित गतिविधियां देखी
गईं। जिसमें सभी महिलाओं को
सूर्यो अस्पताल के प्रसूति वार्ड में
भेजा गया और वहां उनका
चैकअप किया गया। इसके साथ ही
शिविर स्थल आंगनबाड़ी,

सुल्तानपुर गांव की महिला
कार्यक्रमों और सभी महिलाओं
को स्तनपान के महत्व के बारे में
जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन
कैंसर आजकल अधिक प्रचलित
है। इसलिए शिविर स्थल
आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव,
प्रसूति वार्ड सूर्यो अस्पताल एवं
डेन्टल ओ.पी.डी. में आने वाले
महिला रोगियों को स्तनपान के
महत्व के बारे में पैम्फ्लेट वितरित
कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई।
इसके साथ ही सभी महिलाओं को
पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी
वितरित किये गये।

इस सफल कार्यक्रम के
आयोजन के लिये सभी
प्रतिभागीयों ने आई.टी.एस - द
एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ.
आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन
अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह



मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में मेरठ-दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है। आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चहू तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चहू की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माँ और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध अमृत के समान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना

चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज की ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियाँ देखी गईं। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यक्रमाओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। कार्यक्रम के आयोजन के लिये प्रतिभागीयों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चहू तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चहू को धन्यवाद दिया।





आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च मुरादनगर

स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में लाई जा सकती है कमी

कार्यक्रम



आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान समाह मनाया गया



अधाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा एक से सात अगस्त तक विश्व स्तनपान समाह मनाया जा रहा है। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा - एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है।

विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से सात अगस्त को विश्व स्तनपान समाह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्हा तथा वाइस

'शिशु के लिए स्तनपान अमृत के समान'

गाजियाबाद (अ.स.)। स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशाबी में विश्व स्तनपान समाह मनाया गया। इस समाह की थीम- स्तनपान सुरक्षा की जिम्मेदारी, साझा जिम्मेदारी तथा की गयी है। 1 अगस्त से प्रारम्भ हुए विश्व स्तनपान समाह को 7 अगस्त तक मनाया जायेगा। इस दौरान हॉस्पिटल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रसवोपरात कम से कम 6 महीने के लिए माताओं को स्तनपान के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया जा रहा है। नवजात स्वास्थ्य में स्तनपान की भूमिका पर एक कार्यशाला का भी आयोजन फैसलुक लाइव किया गया। जिसमें यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशाबी के वरिष्ठ नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंजीत कुमार एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ दीपिका रस्तोगी भाग लिया। वहीं दूसरी तरफ गमधारियां की हुई महिलाओं में भी प्रसव से पूर्व ही स्तनपान के महत्व की जागरूकता की गयी। हॉस्पिटल के नर्सिंग विभाग द्वारा लेपट कर्नल राधा राणा के नेतृत्व में एक वित्र प्रदर्शनी एवं पोस्टर कम्पटीशन का भी आयोजन किया गया। डा. दीपिका रस्तोगी ने कहा कि कामकाजी महिलाएं ब्रेस्ट पंप का प्रयोग कर अपना दूध निकल कर बच्चे को पिलाने के लिए घर में रख सकती हैं, जो कहीं ज्यादा कारगर और उपयोगी है। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशाबी के वरिष्ठ नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंजीत कुमार का कहना है कि शिशु के लिए स्तनपान अमृत के समान होता है। यह शिशु को निमोनिया, डायरिया और कुपोषण के जाखिम से भी बचाता है। इसलिए बच्चे को जन्म के एक धृति के भीतर मा का पहला पीला गाढ़ा दूध अवश्य पिलाना चाहिए।

और स्तनपान बैच भी वितरित किये जाएंगे। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागीयों ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी



चड्हा तथा वाइस चेयरमैन आरपी चड्हा को धन्यवाद दिया।



आईटीएस० डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

धारा नूज संवाददाता
गणिताचाहू। गणिताचाहू वे
पश्चिम कैरेंच डेन्टल स्ट्रीटिपान के हारा
दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2021
को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया।
जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा-
एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है विश्व
स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व
स्थानीय सांझनहर साल 1 से 7 अगस्त
को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता
है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और
बीमारियों से बचने के लिए एटीएस० कॉलेज
बचने के लिए स्तनपान की जरूरत
होती है।

आईटीएस० - द एन्केशन एग्जू
के चेयरमैन, डॉ० आर०पौ० चड्हा तथा
वाईस चेयरमैन, अपित चड्हा की प्रेरणा
से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन

किया गया। इस अवसर पर डॉहोने मा०
और बच्चों पर स्तनपान के महत्व पर
अपने विचार छाक किये और बताया
कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध
अमृत के स्तनपान है। स्तनपान को बढ़ावा
देकर शिशु मृत्यु दर में काफी लाइ जा
सकती है।

शिशुओं को जन्म से छह माह तक
के बच्चे मा० का दूध पिलाने के लिए
महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान
विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।
विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब
महिलाओं को मा० और बच्चों के लिये
स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक
किया जाता है। स्तनपान माहाओं और
बच्चों के लिये स्तनपान रूप से बेहतर
स्थानीय को बढ़ावा देता है। स्तनपान
को अनन्तराल्कृत स्तर तक बढ़ाने से हर

साल 3,00,000 से अधिक लोगों की
जान बचाई जा सकती है, जिसमें से
अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे
हैं। स्तनपान करने से मातृओं को स्तन
कैमर, ओवरियन के कैमर, टाइप 2
मधुमेह और दूदय रोग होने का भत्ता
कम हो जाता है। विश्व स्थानीय सांझन
के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर
शिशु को 6 महीने का होने तक अमन्य
स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस
अवसर पर आईटीएस० डेन्टल
कॉलेज और ओ०पौ०डौ० में
निष्पत्ति गतिविधियां देखी गईं।
जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या
अस्पताल के प्रसूति बाई में भेजा गया
और वहाँ उनका चैकअप किया गया।
इसके साथ ही विद्यिर स्थल
आगनबाई, सुलानपुर गांव की महिला

कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को
स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक
किया गया। वर्गीकृत स्तन कैमर
आगकल अधिक प्रचलित है। इसलिए
विद्यिर स्थल आगनबाई, सुलानपुर
गांव, प्रसूति बाई सूर्या अस्पताल एवं
डेन्टल ओ०पौ०डौ० में आम बाले
महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व
के बारे में पैष्ठलेट वितरित कर रोगी
शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही
सभी महिलाओं को पिक रिपन और
स्तनपान बैच भी वितरित किये गये।
इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के
लिये सभी प्रतिभागीयों ने
आईटीएस० - द एन्केशन एग्जू
के चेयरमैन, डॉ० आर०पौ० चड्हा तथा
वाईस चेयरमैन, अपित चड्हा को
धन्यवाद दिया।



आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

Hint Media | Friday, 6 August 2021, 1:23 pm



गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चहूदा तथा वाईस चेयरमैन अधिकारी चहूदा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माँ और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को माँ और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे हैं। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर कॉलेज की ओपीडी में से महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वाड में भेजा गया और वहां उनका दैकभाप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल अंगनबाड़ी सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैंच भी वितरित किये गये।